PENGUIN SERIES

व्याकरण शिल्पी

5

भाषा व्याकरण

वाक्य संज्ञा

सर्वनाम वाक्य

क्रिया

- सुशील सिंघल
- कृतिका अग्रवाल

प्रकाशक :

EDUCATION LEADS

PETERSON PRESS

(A unit of Naman Publishing (INDIA)

सिल्वर लाइन स्कूल के पीछे,
लक्ष्मीपुरम, राजपुर चुंगी, आगरा

नवीन संस्करण : 2016

लेखक :
सुशील कुमार सिंघल

संपादन एवं सहयोग :
प्रीति सिंघल

परामर्शदाता :
किशोर कुमार अग्रवाल

शब्द-संयोजन, कला एवं चित्रांकन :

Kartik computers

वैधानिक चेतावनी :

- प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक के किसी भी भाग को छापना तथा इलेक्ट्रॉनिकी-मशीनी फोटोप्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य किसी विधि से पुन: प्रयोग द्वारा इसका संग्रहण अथवा प्रसारण पूर्णतया वर्जित है।
- यद्यपि इस पुस्तक को शुद्ध एवं त्रुटिरहित प्रस्तुत करने का यथासंभव प्रयास किया गया है, तथापि इसमें अनपेक्षित कमी, त्रुटि, अभाव अथवा तद्जनित्त क्षति या हानि के लिए लेखक, प्रकाशक एवं मुद्रक का कोई भी उत्तरदायित्व न होगा।
- पुस्तक में रह गई तथ्यात्मक त्रुटियों या अन्य किसी भी कमी के लिए विद्वत्तजनों के विचार और सुझाव सादर आमंत्रित हैं। त्रुटियों का परिमार्जन एवं प्राप्त विचारों और सुझावों का समायोजन आगामी संस्करण में कर दिया जाएगा।
- पुस्तक की जिल्दसाजी होने में गलतियाँ या कुछ पृष्ठों की गलत छपाई या कुछ पृष्ठों के न होने की दशा में प्रकाशक का उत्तरदायित्व केवल इतना है कि पुस्तक को खरीदने की तिथि से एक माह के अंदर इसी संस्करण की अन्य पुस्तक से खरीदी गई पुस्तक को बदल दिया जाएगा। इस संदर्भ में किए गए सभी खर्चों को ख़रीदार वहन करेगा।
- पुस्तक संबंधी सभी विवाद केवल **आगरा न्यायालय** के अधिकार क्षेत्र में विचाराधीन होंगे।

–प्रकाशक

आपके लिए.......

प्रिय पाठक वृंद,

बच्चे बहुत ही कोमल, भावुक और मासूम होते हैं। अतः व्याकरण जैसे कठिन शब्द से उन्हें परिचित कराना अत्यंत चुनौती भरा कार्य है।

बच्चा भाषा का प्रयोग सबसे पहले अपने आस-पास के वातावरण और माता-पिता के साथ रहकर सीखता है। धीर-धीरे वह अपनी सीमित शब्दावली में भाषा का सही रूप समझने लगता है और उसे व्यवहार में लाने लगता है।

प्रायः विद्यालयों में बच्चों को कक्षा – 3 से व्याकरण का ज्ञान कराया जाता है, परंतु कक्षा 1 व 2 के बच्चों को भी भाषा का ज्ञान हो जाए—इसी बात को ध्यान में रखते हुए उनके स्तरानुकूल गतिविधियों, उदाहरणों एवं चित्रों द्वारा व्याकरण का ज्ञान कराने का हमारा यह अनूठा प्रयास है।

विद्यालय में कदम रखते ही बच्चा घर-परिवार से सीखी हुई भाषा का ही प्रयोग करता है। इसी आधार पर **व्याकरण शिल्पी** पुस्तकमाला बच्चों के स्तर को ध्यान में रखते हुए सरल भाषा, रोचक गतिविधियों तथा आकर्षक चित्रों द्वारा खेल-खेल में व्याकरण का ज्ञान कराने की दिशा में हमारा यह अनूठा प्रयास है। इस पुस्तकमाला में व्याकरण के सैद्धांतिक पक्ष को ध्यान में रखते हुए उसके व्यावहारिक पक्ष को अधिक महत्त्व दिया गया है।

नए पाठ्यक्रम को दृष्टि में रखते हुए इस पुस्तकमाला में बहुविकल्पीय, सैद्धांतिक एवं लघूत्तरात्मक प्रश्नों का समावेश किया गया है। सीखे हुए ज्ञान को परखने एवं संपूर्ण पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति के लिए दो आदर्श प्रश्नपत्र दिए गए हैं।

राष्ट्रीय तथा विभिन्न राज्यों के पाठ्यक्रम पर आधारित यह पुस्तक Tex-Cum-Workbook के रूप में आपके सम्मुख प्रस्तुत है। आशा ही नहीं, पूर्ण विश्वास भी है कि यह पुस्तकमाला बच्चों के लिए उपयोगी एवं रुचिकर सिद्ध होगी।

अंत में हम प्रकाशक महोदय के हृदय से आभारी हैं, जिनके अथक प्रयास से यह पुस्तक आपके हाथों में है। शिक्षकों और विद्वत्तजनों के उपयोगी सुझावों का सदैव स्वागत है।

–लेखक एवं लेखिका

सुशील कुमार सिंघल
e-mail : sushilsinghal@rocketmail.com
कृतिका अग्रवाल
e-mail : balaknath@yahoo.com

विषय-सूची

1. भाषा और व्याकरण 5
(Language and Grammar)
2. वर्ण-विचार 10
(Phonology)
3. शब्द-विचार 17
(Morphology)
4. संज्ञा 21
(Noun)
❖ खेलते-खेलते (अभ्यास प्रश्न-पत्र–1) 27
5. संज्ञा के विकार 28
(Declensions of Nouns)
6. सर्वनाम 39
(Pronoun)
7. विशेषण 44
(Adjective)
8. क्रिया 48
(Verb)
❖ खेलते-खेलते (अभ्यास प्रश्न-पत्र–2) 52
❖ अर्द्धवार्षिक परीक्षा प्रश्न-पत्र 53
9. काल 54
(Tense)
10. अविकारी शब्द 57
(Indeclinable Words)
11. वाक्य 65
(The Sentence)
12. विराम-चिह्न 70
(Punctuation)
❖ खेलते-खेलते (अभ्यास प्रश्न-पत्र–3) 73
13. शब्द-भंडार 74
(Vocabulary)
* पर्यायवाची शब्द
* विलोम शब्द
* अनेकार्थी शब्द
* श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द
* वाक्यांश के लिए एक शब्द
14. मुहावरे और लोकोक्तियाँ 83
(Idioms and Proverbs)
15. अपठित गद्यांश 89
(Unseen Passage)
16. रचनात्मक गतिविधियाँ 92
(Creative Activities)
* पत्र-लेखन
* संवाद-लेखन
* निबंध-लेखन
❖ खेलते-खेलते (अभ्यास प्रश्न-पत्र–4) 103
❖ वार्षिक परीक्षा प्रश्न-पत्र 104